अखिल भारतीय संगोष्ठि

डॉ. अम्बेडकर जी का सर्वसमावेशक दर्शन

संगोष्ठी दिनांक एवं स्थान

दिनांक	:	०८-मार्च-२०१९ (शुक्रवार)
संगोष्ठी प्रारम्भ	:	प्रातः ०९-४५, समापन : ०६ : १५
स्थान	:	NFDD सेमिनार खण्ड, सौराष्ट्र युनिवर्सिटी, राजकोट-०५

For Registration

http://bac.org.in

Re- Accredited
Grade A by NAAC

निमन्त्रक

चेरमेन,
बाबासाहब डॉ.बी.आर. अम्बेडकर चेर-सेन्टर
सौराष्ट्र युनिवर्सिटी, राजकोट

कुलसचिवश्री,
सौराष्ट्र युनिवर्सिटी, राजकोट

भूमिका

भारतरत्न बाबासाहब डॉ.भीमराव अम्बेडकर जी की १२५ वीं जन्म शताब्दीं के अवसर पर २०१६ में गुजरात सरकार ने सौराष्ट्र विश्वविद्यालय में डॉ.बी.आर.अम्बेड़कर चेर-सेन्टर स्थापित किया हैं । डॉ.अम्बेड़कर जी के जीवन, कार्य और तत्त्वज्ञान सम्बन्धी अध्ययन-अध्यापन इस सेन्टर में हो रहा हैं ।

संसार में चेतनात्मक आन्दोलन के माध्यम से समग्र मानवाधिकार एवं समाजार्थिक,राजनैतिक अधिकारों से वंचित मानव समाज के उत्थान के लिए मानवता के क्रांतिदूतों ने जो अहर्निश संघर्ष किया हैं, उनमें विश्वविभूति भारतरत्न डॉ. अम्बेडकर जी का नाम प्रथम हैं । आज भी डॉ. अम्बेडकर एक विश्वप्रसिद्ध न्यायविद, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, संविधान शिल्पी, राष्ट्रभक्त, समाजसेवी, बुद्धिवादी, स्वतन्त्रता-समानता-बन्धुता के पहेरेदार तथा चिन्तक के रूप में अपने कृतित्व के माध्यम से हमारे बीच मौजूद हैं । सभी तरह से उपेक्षित तथा वंचित लोगों के साथ-साथ मनुष्य मात्र के लिए बन्धुता, समता एवं स्वतन्त्रता का आजीवन एवं अहर्निश शंखनाद करनेवाले तथा सभी तरह की असमानताओं तथा उपेक्षाओं से पीड़ित समग्र मानव समुदाय के झण्डेबरदार हैं । बाबासाहब सभी मूल, कूल, वंश, जाति, गोत्र, नस्ल, सम्प्रदाय, वर्ग, वर्ण के अधिकार तथा वंचितों की सच्ची सेवा का दुर्लभ उदाहरण हैं । डॉ. अम्बेडकर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, सृष्टि और दृष्टि चिन्तन एवं दर्शन सभी मानवता के सिंचन एवं अभिवर्द्धन के लिए हैं ।

डॉ. अम्बेडकर जी को समझने के लिए उनके द्वारा रचित संविधान की आत्मा कहलाने वाले अनुच्छेदों यथा- मौलिक अधिकार एवं राज्य के नीति निर्देशक तत्त्व का प्रथमतः अध्ययन आवश्यक हैं । इससे स्पष्ट होता है कि वे समानता तथा मानवाधिकार को प्रत्येक व्यक्ति को प्राप्त करा देने के लिए किस तरह बेचैन तथा तत्पर थें । इससे भी आगे डॉ.अम्बेडकर के मौद्रिक, राजकोषीय, श्रम-समस्या, नारी-उत्थान, धर्म, सामाजिक-न्याय, उद्योग, कृषि, मानव-संसाधन, जल-संसाधन, बीमा उद्योग, मद्यनिषेध, शिक्षा, लोकतन्त्र, कार्यपालिका, न्यायपालिका, व्यवस्थापिका, संघीय शासन प्रणाली भाषीय प्रान्त, राष्ट्रभाषा, विषयक समष्टिभावी चिन्तन तथा सिद्धान्त आज भी अत्यधिक उपयोगी तथा प्रासंगिक हैं ।

मनुष्य के जीवन में प्रकाश तथा स्वतन्त्रता का संचार करनेवाली शिक्षा को बाबासाहब जीवन के लिए मशाल मानते हैं । शिक्षा के मार्ग से ही स्वतन्त्रता की मंजिल को प्राप्त किया जा सकता हैं । डॉ. अम्बेडकर सभी तरह के विभेद का समूल नाश करनेवाले महामानव का नाम हैं । स्वकष्टार्जित शिक्षा तथा अनुभव के आधार पर उन्होंने मानव कल्याण के लिए जिन नीतियों तथा सिद्धान्तों का सृजन किया वे अश्रुतपूर्व हैं । तभी तो डॉ.अम्बडकर जी को तमाम मनुष्यों के अधिकारों की वकालत करनेवाले अधिवक्ता, मानवता के शिल्पकार, मसीहा, मानवतावादी नायक कहा जाता हैं ।

इस प्रकार डॉ. भीमराव अम्बडकर एक व्यक्ति का नहीं, एक मिशन का नाम हैं । जिसका लक्ष्य हैं- समानता, मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार हैं । इसे प्राप्त करना प्रत्येक मनुष्य का प्रथम कर्तव्य हैं ।

चेर-सेन्टर का उद्देश्य

- समाज के बुद्धिजीवी और छात्रों में बाबासाहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के विचारों का अध्ययन, अध्यापन एवं क्रियान्वयन किया जाए ।
- इस सेन्टर में डॉ. अम्बेडकर जी का आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक, तात्विक, संवैधानिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं मानवीय अधिकारों सम्बन्धि दर्शन का अध्ययन-अध्यापन हों ।
- समाज में शिक्षण का सप्रमाण विकास हो तथा शैक्षिक प्रश्नों का निराकरण हों ।
- समाज के पिछडे वर्गों का शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृति जीवन के प्रश्नों से सम्बन्धि संशोधन एवं विचारणा कि जाए ।

चेर-सेन्टर की प्रवृतियाँ

- एल.एल.एम./एमफिल/ पीएच.डी.के छात्रों एवं अध्यापकों के द्वारा संशोधन एवं अध्ययन किया जाए ।
- सेमिनार, वर्कशोप, संगोष्ठि, चर्चा सत्र, कोन्फरन्स का आयोजन एवं सहभागिता ।
- डॉ.अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान माला ।
- सामायिक, पुस्तक, पत्रिका इत्यादि का प्रकाशन ।
- सामाजिक जागृति के लिए लोकशिक्षण कार्यक्रम ।
- आन्तर चेर समन्वय कार्यक्रम ।

संगोष्ठि के उप विषय

- डॉ. अम्बेडकर जी का सर्वसमावेशक सामाजिक दर्शन ।
- डॉ. अम्बेडकर जी का सर्वसमावेशक आर्थिक दर्शन ।
- डॉ. अम्बेडकर जी का सर्वसमावेशक राजनैतिक दर्शन ।
- डॉ. अम्बेडकर जी का सर्वसमावेशक धार्मिक दर्शन ।
- डॉ. अम्बेडकर जी का सर्वसमावेशक सांस्कृति दर्शन ।
- डॉ. अम्बेडकर जी का सर्वसमावेशक स्त्री स्वातंत्र्य दर्शन ।
- डॉ. अम्बेडकर जी का सर्वसमावेशक समाता दर्शन ।
- डॉ. अम्बेडकर जी का सर्वसमावेशक बन्धुता दर्शन ।
- डॉ. अम्बेडकर जी का सर्वसमावेशक स्वातन्त्र्य दर्शन ।
- डॉ. अम्बेडकर जी का सर्वसमावेशक मानवीय अधिकार दर्शन ।
- डॉ. अम्बेडकर जी का सर्वसमावेशक शैक्षणिक दर्शन ।

मुख्य संरक्षकश्री

डॉ. नीतिनभाई पेथाणी जी

सन्माननीय कुलपतिश्री, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट ।

डॉ. विजयभाई देशाणी जी

सन्माननीय उपकुलपतिश्री, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट ।

संरक्षकश्री

- सभी सन्माननीय सिन्डीकेट सदस्यश्री, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट ।
- सभी सन्माननीय सेनेट सभ्यश्री, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट ।
- डॉ. रमेश जी. परमार, कुलसचिवश्री, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट ।

सलाहकार समिति

- प्रो. हेमीक्षा बहन राव, पूर्व कुलपतिश्री, हेमचन्द्राचार्य उत्तरगुजरात, विश्वविद्यालय,पाटण
- प्रो. संजय भायाणी, प्रोफेसर, एम.बी.ए. भवन, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट
- प्रो. जयदीपसिंह डोडीया, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, अंग्रेजी भवन, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट
- डॉ. अश्विन सोलंकी, एसोसिएट प्रोफेसर, कोमर्स भवन, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट

संगोष्ठि का रजिस्ट्रेशन

- शोधछात्रों, अध्यापकों एवं विद्वान सेमिनार के लिए नीचे दिए गये वेब साइट पर **http://bac.org.in** अपना रजिस्ट्रेशन निशुल्क अवश्य करें । रजिस्ट्रेशन की अन्तिम दिनांक ०५, मार्च-२०१९ तक हैं ।

सेमिनार संयोजक

- प्रो. राजा.एन.काथड, चेरमेन, बाबासाहब डॉ.बी.आर.अम्बेडकर चेर-सेन्टर एवं प्रोफेसर अनुस्नातक संस्कृत भवन, सौराष्ट्र विश्वविद्याय, राजकोट

संगोष्ठी के अवसर पर

- चेर-सेन्टर द्वारा प्रकाशित 'डॉ.अम्बेडकर का राष्ट्रदर्शन' पुस्तक का विमोचन होगा ।
- चेर-सेन्टर द्वारा दिये गए ०५ 'डॉ. अम्बेडकर संशोधन एवोर्ड-२०१८-१९' एवोर्ड अर्पण ।
- चेर-सेन्टर द्वारा दिये गए १० 'डॉ.अम्बेडकर संशोधन स्पेशीयल फेलोशीप एवोर्ड-२०१८-१९' एवोर्ड अर्पण
- वर्ष- २०१७-१८ के राज्यस्तरीय निबन्धस्पर्धा के १५ विजेताओं को भीभप्रज्ञा सन्मानपत्र अर्पण
- वर्ष- २०१८-१९ के राज्यस्तरीय निबन्धस्पर्धा के १६ विजेताओं को भीभप्रज्ञा सन्मानपत्र अर्पण
- चेर-सेन्टर द्वारा दिऐ गए वर्ष -२०१८-१९ , ०२ विद्वान लेखकों को पुस्तक प्रकाशन सहाय सन्मानपत्र अर्पण

सूचनाएँ

(१) गोष्ठी में आपका पूर्ण समय रहना अपेक्षित हैं ।

(२) अग्रीम पंजीकरण वेब-साइट **http://bac.org.in** अनिवार्य हैं । पंजीकरण के बाद व्यवस्था की अनुमति से ही आप प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं ।

(३) निश्चित समय पर दिनांक : ०५/०३/२०१९ तक ही पंजीकरण अनिवार्य रहेगा ।

(४) आनेवाले प्रतिभागियों के लिये व्यवस्था की ओर से भोजन तथा पूर्वसूचना के आधार पर व्यवस्था प्राप्त होगी ।

(५) रेल्वे स्टेशन, बस स्टेशन या विमान पत्तन से आप अपनी व्यवस्था से आवागमन करेंगे ।

(६) विद्वान, शोधार्थी एवं अध्यापक अपना शोधपत्र सेमिनार के दिन प्रस्तुत कर सकते हैं ।

(७) संगोष्ठी में अपना शोधपत्र की एक हार्डकोपी चेर-सेन्टर को अवश्य सुप्रत करें ।

(८) संगोष्ठी में प्रस्तुत शोधपत्रों का प्रकाशन भविष्य में किया जाऐगा ।

संपर्क सूत्र

प्रो.(डॉ.) आर.एन.काथड- 96876 92951